सुविचार

जिंदगी साइकिल चलाने के जैसा है, बैलेंस बनाए रखने के लिए आपको चलते रहना होता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 8, अंक-38 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 27 अक्टूबर 2023 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

पुनर्वास के लिए दी गई भूमि का कभी नामांतरण नहीं किया जा सकता है जानिए/legal advice....

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

किसी प्रवासी व्यक्ति को केंद्र सरकार या राज्य सरकार द्वारा पुनर्वास के लिए कोई भूमि दी गई है या 1 अप्रैल 1957 के अंतर्गत सरकारी स्कीम द्वारा या उसके पश्चात मध्यप्रदेश में किसी व्यक्ति को पुनर्वासित किया गया हो ऐसी भूमि को बिना प्राधिकारी की अनुमति के नामांतरण नहीं किया जा सकता है जानिए।

मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता,1959 की धारा 9(क) की परिभाषा?

किसी प्रवासी व्यक्ति को या अन्य देश के व्यक्ति को भारत सरकार या राज्य सरकार द्वारा कोई भूमि रहने के लिए दी है वह व्यक्ति अपनी भूमि का नामांतरण नहीं कर सकता है। अगर उसे अपनी भूमि नामांतरण करना है तो इसके लिए संबंधित अधिकारी से अनुमति लेनी होगी क्योंकि प्रवासी व्यक्ति की भूमि राज्य की भूमि होती है और इस पर हमेशा राज्य सरकार का अधिकार रहता है।

किसी अन्य संपत्ति को स्वयं की दर्शाना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए/legal advice...

बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो फर्जी तरीक़े से किसी भी संपत्ति को प्राप्त करते हैं जैसे की झूठे तथ्यों की बनाकर दूसरे की संपत्ति को हड़पना या किसी अन्य व्यक्ति बनकर संपत्ति प्राप्त करने के लिए वाद दायर करना ऐसे अपराध सामान्य तौर पर बहुत से घटित होते हैं तब संपत्ति संबंधित ऐसे अपराध में किसी कानून के अंतर्गत मामला दर्ज होगा जनियर।

- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम,1982 की धारा 16 की परिभाषा?

जो कोई व्यक्ति किसी संपत्ति को प्राप्त के लिए झूठे तथ्यों की धोखाधड़ी के बनाएगा या किसी अन्य व्यक्ति बनकर झूठा वाद दायर करेगा या या किसी संपत्ति के मूल्य को अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर बताएगा जो उसका वास्तविक मूल्य नहीं है या शासन द्वारा प्रतिकर प्राप्त करके के लिए दूसरे व्यक्ति की संपत्ति स्वयं की बताएगा एवं न्यायालय में दावा करेगा तब ऐसे व्यक्ति के ऊपर उपर्युक्त धारा 16 के अंतर्गत कार्यवाही होगी।

दण्ड का प्रावधान-

यह अपराध संज्ञेय एवंजमानतीय अपराध है इनका विचारण सेशन कोर्ट द्वारा किया जाता है लेकिन पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी की कार्यवाही करने से पहले समुचित सरकार या प्राधिकृत अधिकारी से आदेश प्राप्त करना होगा। सजा- इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माने या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

अहिरवार समाज के लोगों को टिकट न मिलने से अहिरवार समाज के लोगों ने की नाराजगी व्यक्त।

देवरी/उदयपुरा से संवाददाता हल्केवीर की न्यूज़।।

कांग्रेस में लंबे समय से काम कर रहे अहिरवार समाज के लोग होशंगाबाद लोकसभा जबलपुर सागर खंडवा तमाम जगहों से लोग समाज में काम कर रहे हैं, लेकिन निश्चित तौर से समाज के लोगों को टिकट नहीं दिया गया जिससे अहिरवार समाज पिपरिया खास तौर से सांची इनमें अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे है सांची पिपरिया में जो बाहरी प्रत्याशी कांग्रेस पार्टी द्वारा उतारा गया है इससे ज्यादा समाज के लोगों ने नाराजगी जताई हैं समाज के लोग यह मांग करते हैं निश्चित तौर से आगे प्रत्याशी बदल जाए और स्थानीय प्रत्याशी जो भी हो वहां पर उनको टिकट मिलना चाहिए। जिससे अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाता अपना सहयोग प्रदान कर पाएंगे।

संवाददाता
हल्के वीर देवरी,
रायसेन।

हमास के हमले के बाद मोसाद चर्चा में क्यों? जानें इसे क्यों कहा जाता है आतंकियों की किलिंग मशीन

नई दिल्ली। इस्राइल में हमास के हमले के बाद सबसे अधिक चर्चा इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की हो रही है। रक्षा विशेषज्ञों ने दावा किया है कि मोसाद इस हमले को भांपने में नाकाम रही। एजेंसी के पूर्व निदेशक एफ्रैम हेलेवी ने कहा है कि सिस्टम को बहुत बड़ा झटका लगा है। इस्राइल में हमास के हमले के बाद सबसे अधिक चर्चा इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद की हो रही है। रक्षा विशेषज्ञों ने दावा किया है कि मोसाद इस हमले को भांपने में नाकाम रही। एजेंसी के पूर्व निदेशक एफ्रैम हेलेवी ने कहा है कि सिस्टम को बहुत बड़ा झटका लगा है। मोसाद को इसबार जरूर हमले की भनक तक नहीं लगी, लेकिन यह एक ऐसा नाम है जिसे सुनते ही बड़े-बड़े आतंकी थर्रा जाते हैं।

दुनिया के नक्शे पर एक छोटे से देश की खुफिया एजेंसी जिसके नाम से आतंकी संगठन ही नहीं, उनके आका और हुक्मरान भी खौफ खाते हैं। वैसे तो दुनिया में अमेरिका, ब्रिटेन, भारत और रूस से लेकर चीन तक कई देशों में कई खुफिया एजेंसियां हैं, जो बेहद शक्तिशाली और ताकतवर वाली मानी जाती हैं। मोसाद इस्राइल की खुफिया एजेंसी है। वैश्विक स्तर पर मोसाद को गुप्त ऑपरेशंस को अंजाम देने में दुनिया की टॉप खुफिया एजेंसी माना जाता है। मोसाद अपने दुश्मनों को उनके ही देश में घुसकर चुन-चुनकर मारने के लिए जानी जाती है। आमतौर पर ऐसे ऑपरेशन को अंजाम देना बेहद ही कठिन होता है, लेकिन मोसाद को ऐसे अभियानों में महारत हासिल है। मोसाद अपना निशाना कभी नहीं चूकती है। क्योंकि अपना मिशन पूरा करने से पहले मोसाद के एजेंट अपने टारगेट को लेकर पूरी रिसर्च करते हैं। साथ ही मिशन को अंजाम देने के बाद की परिस्थितियों से निपटने का भी पूरा इंतजाम पहले से करके रखते हैं। जानकारी के अनुसार, इस्राइल के तीन बड़े खुफिया संगठन अमन, शिन बेट और मोसाद हैं। इनमें से एक मोसाद के भी दो काउंटर टेररिज्म यूनिट हैं। पहली यूनिट है मेटसाडा जो दुश्मन पर हमला करती है। जबकि दूसरी किडोन है। इसका काम गुप्त ही रखा गया है। लेकिन मोटे तौर पर यह आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करती है। मेटसाडा की भी अपनी अलग यूनिट्स हैं। यहूदियों के देश इस्राइल में 13 दिसंबर, 1949 के दौरान वहां के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड बेन गूरियन की पहल पर सेना के खुफिया विभाग, आंतरिक सुरक्षा सेवा और विदेश विभाग के साथ तालमेल और आपसी सहयोग को बढ़ाने के लिए मोसाद की स्थापना की गई थी। इस्राइल सरकार ने मोसाद का गठन आतंकवाद से लड़ने के लिए किया था। बाद में 1951 में मोसाद को इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कर दिया गया। इसकी रिपोर्टिंग भी प्रधानमंत्री को ही होती है। रियूवेन शिलोआ को मोसाद का पहला डायरेक्टर बनाया गया था। शिलोआ 1952 में रिटायर हुए थे। इसके बाद इसकी कमान इससर हरल के पास आ गई थी। हरल ने अपने 11 साल की कार्यावधि में इसे खूंखार और आतंकियों की किलिंग मशीन के रूप में तब्दील कर दिया। आज के दौर में मोसाद के पास टॉप क्लास सीक्रेट एजेंट, हाईटेक इंटेलीजेंस टीम, शार्प शूटर और कातिल हसीनाओं समेत कई तरह के जासूस और गुप्त योद्धाओं की फौज है। मोसाद के एजेंट्स इतनी सफाई से काम को अंजाम देते हैं कि कोई सबूत भी नहीं बचता। अपनी स्थापना के बाद से, मोसाद सरकार की जरूरतों के आधार पर खुफिया जानकारी जुटाने में शामिल रही है। यह काम विभिन्न माध्यमों से किया जाता है, जैसे ह्यूमन इंटेलीजेंस और सिग्नल इंटेलीजेंस आदि तरीकों से, जिसे दूसरा कोई समझ न सके। आज भी मोसाद ऐसे ही काम करती है। मोसाद ने अन्य देशों की खुफिया सेवाओं के साथ खुफिया संबंध भी विकसित और बनाए रखा है। मोसाद उन देशों के साथ गुप्त संबंध स्थापित करने में भी शामिल है जो खुले तौर पर साथ इस्राइल का साथ देने से बचते हैं।

विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर; तीन की मौत, 10 लोग घायल

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई है। हादसे में 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, विशाखापत्तनम से आ रही एक यात्री ट्रेन रायगढ़ा जा रही थी। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर ट्रेन और विशाखापत्तनम-रगडा पैसेंजर ट्रेन के बीच टक्कर हो गई। हादसे में तीन कोच क्षतिग्रस्त हुए हैं। 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं। बचाव अभियान जारी है। सहायता और एम्बुलेंस के लिए स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ को सूचित किया गया है। दुर्घटना राहत ट्रेनें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। कुछ रिपोर्ट में तीन लोगों की मौत होने का भी दावा किया जा रहा है।

दिग्विजय बोले- मोदी ने देश और शिवराज ने प्रदेश को लूटा

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले राजनीतिक दलों के बीच आरोप प्रत्यारोप भी तेज होते जा रहे हैं। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शिवराज सिंह चौहान और भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट से प्रत्याशी पीसी शर्मा और नरेला से प्रत्याशी मनोज शुक्ला के चुनावी कार्यालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनता बेहद नाराज है। प्रदेश में जनता बदलाव चाहती है। 20 साल से शिवराज और भाजपा ने मतदाताओं को ठगा है। गरीब लोगों को ठगा है। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और शिवराज ने प्रदेश को लूटा है। इस देश में सिर्फ 70 परिवार के पास आधा पैसा होने की बात पूर्व सीएम ने कही।

शिवराज को बताया सबसे बड़ा झूठा

दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को सबसे बड़ा झूठा कहा। उन्होंने कहा कि ये लोग हर माह जनता से 10 हजार रुपए ले रहे हैं।

प्रदेश में चार दिन में पड़ेंगे छापे

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भाजपा की सरकार पर आरोप लगाते हुए दावा किया कि मध्य प्रदेश में चार दिन में छापे पड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह अभी कर्मचारी और अधिकारी को धमका रहे हैं। अब राजस्थान की तरह मध्य प्रदेश में छापे डलवाने वाले हैं। उन्होंने दावा किया कि अगले चार दिन में प्रदेश में एजेंसियां छापे मारने वाली हैं। पूर्व सीएम ने प्रदेश की स्काई योजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि योजना में जितना लाभ हितग्राहियों को नहीं हुआ। उससे 10 गुना लाभ विज्ञापन की एजेंसियों को हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसमें भी कुछ प्रतिशत भाजपा नेताओं के पास चला गया।

दिल्ली में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे बेगमगंज के युवा भी

संवाददाता हल्केवीर

बेगमगंज। नई दिल्ली कर्तव्य पथ (राजपथ पर 31 अक्टूबर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तरीय मेरी माटी मेरा देश भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है देशभर के सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से युवा प्रतिनिधि अपने राज्य शहर से अमृत कलश लेकर दिल्ली आएंगे प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में अमृत वाटिका का निर्माण के साथ मेरा युवा भारत अभियान ओर पोर्टल लांच किया जाएगा भारत की पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण की संस्कृति का अद्भुत नृत्य, कला और विविधताओं का संगम होगा यह कार्यक्रम अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित किया जाएगा इसी तारतम्य में युवा कार्यक्रम ओर खेल मंत्रालय द्वारा जिला रायसेन बेगमगंज शहर के कृष्णा दांगी का चयन हुआ है यह शहर के लिए गौरव का क्षण है इससे पूर्व भी इस युवा को राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम में तथा जिला स्तर ब्लॉक स्तर पर पुरस्करित भी किया जा चुका है और बेहतरीन प्रतिनिधित्व कर चुके हैं मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को लेकर भी शहर के इस युवा को हमेशा याद किया जाता है युवा अधिकारी और संस्थाओं के प्रमुखो ने फोन के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की।

दिल्ली में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे ब्लॉक उदयपुरा का युवक।

संवाददाता हल्केवीर

देवरी। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के द्वाराअमृत कलश यात्रा का आयोजन सम्पूर्ण भारत के गांवो मे किया जिसके अंतर्गत विकासखण्ड उदयपुरा के समस्त ग्रामों की मिट्टी अमृत कलश यात्रा के दौरान एकत्रित करके विकासखण्ड स्तर पर एक कलश मे संग्रह किया गया एवं विकास खण्ड से कलश को दिल्ली ले जाने के लिए उदयपुरा ब्लॉक से श्री निरंजन सिंह अहिरवार का चयन जिला रायसेन द्वारा किया गया हैं श्री निरंजन सिंह अहिरवार 28/10/2023 को ब्लॉक उदयपुरा से अमृत कलश लेकर भोपाल जायेंगे जहां शौर्य स्मारक पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम मे भाग लेगें और शाम को भोपाल से स्पेशल ट्रेन से दिल्ली पहुंचेंगे दिल्ली मे कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम मेरी माटी मेरा देश भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कि अध्यक्षता संपन्न होगा उसमें सम्मिलित होगें, एवं अमृत वाटिका निर्माण के लिए कलश सौपेंगे। उनकी इस सफलता के लिए माता-पिता गुरुजनों एवं दोस्तों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

बौद्ध विहारों एवं सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के द्वारा कांग्रेस को सौंपे सभी सुझाव वचन पत्र में शामिल

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल

भोपाल। समस्त बौद्ध विहारों एवं सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के तत्वावधान में संयुक्त 110 संचालित बुद्धिजीवियों के सामाजिक संगठनों की महाबैठक दिनांक 30/07/2023 को मध्यप्रदेश सिन्धु भवन शिवाजी नगर भोपाल में पूर्व डिप्टी कलेक्टर श्री जे.पी.माली के मुख्य अतिथि में विशेष अतिथि श्रीमती निशा बांगरे जी पूर्व डिप्टी कलेक्टर एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री मिलिंद बौद्ध जी, श्रीमती इंदू ताई जी एवं अध्यक्षता श्रीमती आशा दीदी की तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में अनुसूचित जाति वर्ग और अनुसूचित जनजाति वर्ग के सामाजिक कल्याण के मुद्दों सहित महापुरुषों के नाम पर भवन, स्मारक व उनके नाम पर योजना संचालित करने सहित समस्त सामाजिक अराध्य देव जैसे महर्षि बाल्मीकि, सतगुरु रविदास, संत कबीर साहेब, ज्योतिबा फुले, महर्षि सुदर्शन महाराज, महर्षि गोकुलदास, भगवान बिरसा मुंडा, भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर, महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार एवं सभी महापुरुषों की विचारधारा के अनुरूप एक महाबैठक आयोजित कर जो प्रस्ताव पारित किये गये वह इस प्रकार से थे। बौद्ध विहारों व महापुरुषों के धार्मिक स्थानों और उनके पूजा स्थलों का 75 वर्षो बाद भी विकास और निर्माण नहीं हुआ है। जिन स्थानों पर बहुमंजिला इमारत बना कर उनका विकास किया जाये। महापुरुषों के धार्मिक स्थानों को अनुसूचित जाति वर्ग की संस्थाओं द्वारा संचालित किया जाता है। अतः इन्हीं संस्थानों को भूमि पट्टा व रजिस्ट्री कर स्थाई अधिकार सौंपे जाये। मध्यप्रदेश में गरीबों योजनाओं के तहत मकान लाभ दिया है। उनके मकान का कर्ज माफ किया जाये। छोटे रोजगार करने वाले, दुकानों, गुमठी, हाथ ठेला लगाने वाले फेरी वाले इत्यादि गरीब लोगों को दस-दस हजार रुपए का कर्ज देकर उन्हें डिफाल्टर किया गया है ऐसे लोगों का कर्ज माफ किया जाये। किसानों का कर्ज माफ हो, आवासहीनों को आवास दिये जाये। अनुसूचित जाति के अन्तर्गत महान, बलाई , जांगण, जैसी समाज के लोगों से 1950 का रिकार्ड मांग कर उनके जाति प्रमाण पत्र बनवाने के प्रतिबंध हटाया जाये। संत कबीर साहेब, संत रविदास महाराज जी के भव्य पवित्र धाम बनायें जाये। भारत रत्न बाबा साहब डॉ अम्बेडकर जी की विश्व में सबसे बड़ी प्रतिमा स्थापित की जाये। मध्यप्रदेश रविदासिया समाज एवं बौद्ध समाज सहित अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के सभी देव स्थलों, धामों का सर्वे उपरांत उनके स्थानों पर बहुमंजिला भवन बनायें जाये। देश की आजादी में सन् 19 42 में महात्मा गांधी जी के आवाहन पर स्वतंत्रता आन्दोलन में महान योगदान देने वाले शूरवीर मनीराम अहिरवार जी का स्मारक बनाया जाये। तथा उसके उत्तराधिकारी परिवार को जो सुविधाएं शासन द्वारा दी जाती रही है वह सभी दी जायें। इत्यादि समाज की भलाई की योजना बने, साहित्य,कला और संस्कृति का उत्थान किया जाये।ऐसी सैकड़ों बिषय पर सामाजिक संगठनों के बुद्धिजीवी जिसमें पिछड़ा वर्ग के वरिष्ठ समाजसेवी संस्थाओं ने भी शामिल होकर प्रस्ताव पारित किये थे। जिन्हें एक ज्ञापन पत्र के माध्यम से वर्तमान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी को 15 दिन तक का समय देकर समाजसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को बुला कर आश्वासन देकर काम करने को प्रस्ताव दिये गये थे। जिन्होंने सभी मांग और प्रस्तावों को अनदेखा किया। इसके बाद सभी सामाजिक संगठनों और जागरूक लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जी को ज्ञापन सौंपा और सभी बातों को कांग्रेस वचन पत्र में शामिल करवाने का बोला कांग्रेस की सरकार बनने पर सभी मांगों पर कार्य करने का सुझाव दिया। जिन्होंने गंभीरता से विचार कर सामाजिक संगठनों की मांगों को वचन पत्र में शामिल कर कांग्रेस सरकार बनाने का बहुत बड़ा संदेश दिया है।

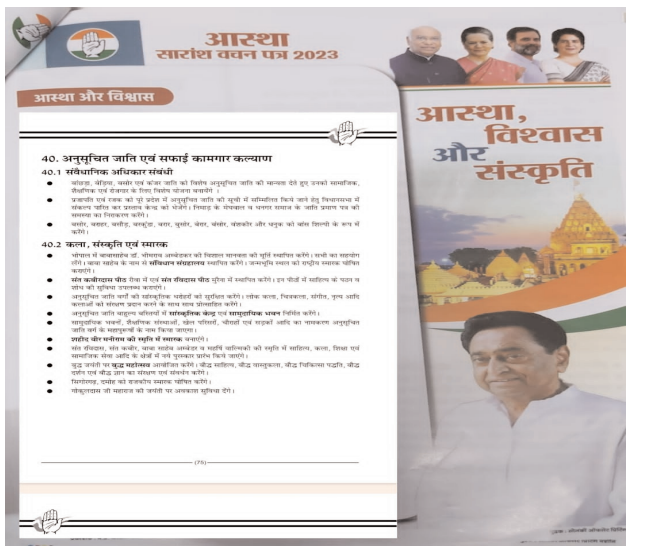

राहुल गांधी विचार मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष मूलचंद मेधोनिया के दादा जी शूरवीर मनीराम अहिरवार का राष्ट्रीय स्मारक बनाने हेतु कांग्रेस वचन पत्र में शामिल करने के बाद भी कांग्रेस क्यों प्रचारित नहीं कर रहे

भोपाल। कांग्रेस भी अजीब है जब अनुसूचित जाति वर्ग में रविदासिया समाज में अहिरवार समाज की बहुसंख्या है। तथा इस वर्ग के सामाजिक कांग्रेस नेताओं ने जबलपुर संभाग से लेकर खंडवा संभाग तक अहिरवार समाज के प्रत्याशी बनाने की मांग की गई। इन दिनों संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग की बड़ी संख्या की जानबूझकर अनदेखी की गई। जिससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस पार्टी में यह समाज सम्मान समझते थे। क्योंकि बीजेपी की तरह तो केवल स्वार्थ परक समाज के ऊंगली पर गिनने वाले लोग ही हैं।

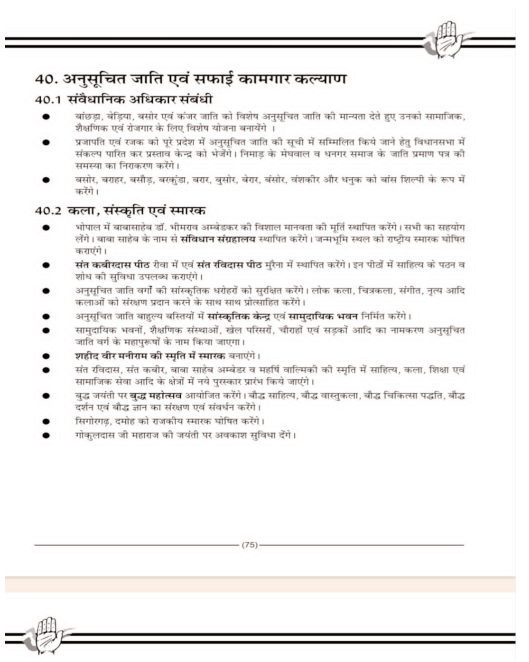

लेकिन समाज ने इस बार कांग्रेस पर विश्वास करना चाहा। समाज की एवं अनुसूचित जाति वर्ग की सैकड़ों सामाजिक संगठनों की एक महाबैठक आयोजित भोपाल में करके कांग्रेस कमेटी भोपाल को सुझाव व मार्गदर्शन प्रस्ताव पारित कर दिया। उन्हें कांग्रेस ने अपने वचन पत्र में शामिल करने के बाद भी उनका बेनर/पोस्ट जो कि जा रही है उसमें अनेक मुद्दों को तोड़ मरोड़ कर पेश किया जा रहा है।जो कि अहिरवार समाज सहित अनुसूचित जाति वर्ग में व्याप्त नाराजगी जताई जा रही है। कांग्रेस अपनी सरकार बनाने में साफ मंशा जाहिर क्यों नहीं कर पा रही है। जब दिग्विजय सिंह जी से अनुसूचित जाति वर्ग का एक वरिष्ठ वर्ग मिला तो उन्होंने साफ स्पष्ट कर दिया है कि जबलपुर संभाग से लेकर खंडवा संभाग तक अहिरवार समाज को कांग्रेस टिकट न देने का परिणाम बुरा हो सकता है। वहीं उन्होंने चिंता व्यक्त की कि हमारे महापुरुषों ने देश की आजादी में महात्मा गांधी जी के आवाहन पर स्वतंत्रता आन्दोलन में चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने और उनका राष्ट्रीय शहीद स्मारक बनाने की मांग वचन पत्र में शामिल होने के बाद यह प्रचार न होना भी चाहिए। क्योंकि हमारे देश की आजादी में हर वर्ग और हर जाति का अमूल्य योगदान है। तब हमें हमारे महापुरुषों के राष्ट्रीय सम्मान दिलाने कांग्रेस पार्टी को सबसे आगे आना चाहिए। अनुसूचित जाति वर्ग के सैकड़ों सामाजिक संगठनों और जागरूक लोगों द्वारा शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने व स्मारक बनाने की सोशल मीडिया पर ख़बरें न चलाने पर दुःख प्रकट किया जा रहा है।

40. अनुसूचित जाति एवं सफाई कामगार कल्याण

40.1 संवैधानिक अधिकार संबंधी

- बांछड़ा, बेड़िया, बसोर एवं कंजर जाति को विशेष अनुसूचित जाति की मान्यता देते हुए उनको सामाजिक, शैक्षणिक एवं रोजगार के लिए विशेष योजना बनायेंगे ।
- प्रजापति एवं रजक को पूरे प्रदेश में अनुसूचित जाति की सूची में सम्मिलित किये जाने हेतु विधानसभा में संकल्प पारित कर प्रस्ताव केन्द्र को भेजेंगे। निमाड़ के मेघवाल व धनगर समाज के जाति प्रमाण पत्र की समस्या का निराकरण करेंगे।
- बसोर, बराहर, बसौड़, बरकुंडा, बरार, बुसोर, बेरार, बंसोर, वंशकीर और धनुक को बांस शिल्पी के रूप में करेंगे।

40.2 कला, संस्कृति एवं स्मारक

- भोपाल में बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की विशाल मानवता की मूर्ति स्थापित करेंगे। सभी का सहयोग लेंगे। बाबा साहेब के नाम से **संविधान संग्रहालय** स्थापित करेंगे। जन्मभूमि स्थल को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराएंगे।
- **संत कबीरदास पीठ** रीवा में एवं **संत रविदास पीठ** मुरैना में स्थापित करेंगे। इन पीठों में साहित्य के पठन व शोध की सुविधा उपलब्ध कराएंगे।
- अनुसूचित जाति वर्गों की सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करेंगे। लोक कला, चित्रकला, संगीत, नृत्य आदि कलाओं को संरक्षण प्रदान करने के साथ साथ प्रोत्साहित करेंगे।
- अनुसूचित जाति बाहुल्य बस्तियों में **सांस्कृतिक केन्द्र** एवं **सामुदायिक भवन** निर्मित करेंगे।
- सामुदायिक भवनों, शैक्षणिक संस्थाओं, खेल परिसरों, चौराहों एवं सड़कों आदि का नामकरण अनुसूचित जाति वर्ग के महापुरूषों के नाम किया जाएगा।
- **शहीद वीर मनीराम की स्मृति में स्मारक** बनाएंगे।
- संत रविदास, संत कबीर, बाबा साहेब अम्बेडर व महर्षि वाल्मिकी की स्मृति में साहित्य, कला, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा आदि के क्षेत्रों में नये पुरस्कार प्रारंभ किये जाएंगे।
- बुद्ध जयंती पर **बुद्ध महोत्सव** आयोजित करेंगे। बौद्ध साहित्य, बौद्ध वास्तुकला, बौद्ध चिकित्सा पद्धति, बौद्ध दर्शन एवं बौद्ध ज्ञान का संरक्षण एवं संवर्धन करेंगे।
- सिंगोरगढ़, दमोह को राजकीय स्मारक घोषित करेंगे।
- गोकुलदास जी महाराज की जयंती पर अवकाश सुविधा देंगे।

(75)

अहिरवार समाज के महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जिन्होंने आजादी के आन्दोलन में सन 1942 में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गोंड महल चीचली की सुरक्षा सहित समाज के लोगों को गुलामी व बेगारी प्रथा के विरुद्ध लडते हुए अंग्रेजों के द्वारा हत्या की गई। जिन्हें आज तक कोई सम्मान नहीं?

महर्षि बाल्मीकि महाराज जयंती पर अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार

भोपाल। भगवान बाल्मीकि जी की जयंती के पावन पर्व पर देश और शोषितों, वंचितों की लड़ाई व हक अधिकार को दिलाने वाले महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार एक ऐसे स्वतंत्रता आन्दोलन के जनक थे। जिन्होंने सन् 19 42 में महात्मा गांधी जी के आवाहन पर स्वतंत्रता आन्दोलन में योगदान देकर अंग्रेजी सैनिकों को लहूं लुहान कर गांव से बाहर निकल दिया था। जिनका अनुसूचित जाति वर्ग में और जनजाति वर्ग में बहुत बड़ा काम यह था कि जिस समय गुलामी व बेगारी प्रथा देश में चलन था जिसका उन्होंने पुरजोर विरोध किया। इसके अलावा उन्होंने अपने गोंडवाना राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जूदेव के राजमहल की सुरक्षा करते हुए अंग्रेजों से युद्ध किया।ऐसे महापुरुष अनुसूचित जाति वर्ग में महान है व उनका परिवार आज भी अपने हक अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है। महर्षि बाल्मीकि जयंती के अवसर पर आज समाज के लोगों द्वारा अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा मांग की है कि शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के जन्म स्थान पर विशाल स्मारक और मूर्ति स्थापित कर उनके परिवार को सुविधा उपलब्ध कराई जाये। ऐसी मांग करने हेतु एवं उसके छायाचित्र पर नमन करने बाल्मीकि समाज, अहिरवार समाज, वंशकार समाज, व अनुसूचित जाति वर्ग के अनेक सामाजिक संगठनों और जागरूक लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने की मांग की है।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ बोले-शिवराज राजनीति के धोनी, शुरुआत कैसी भी हो मैच फिनिश करना आता है

इंदौर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को भाजपा प्रत्याशी कैलाश विजयवर्गीय के चुनाव कार्यालय का उद्घान करने इंदौर आए। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और कैलाश विजयवर्गीय की हार्दिक पंड्या बताता। उन्होंने कहा कि शिवराज राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी है। शुरूआत भले ही कैसी भी हो उन्हेंने मैच को सफलतापूर्वक फिनिश करना आता है। सिंह ने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। चंद्रयाना, सूर्य यान मिशन पर देश को गर्व है, लेकिन कांग्रेस कभी देश की प्रगति से खुश नहीं होती। कांग्रेस अभी तक राहुल यान की सफल लांचिंग और लैंडिंग ही नहीं कर पाई है।

राहुल साहू जिनकी मेहनत से दस सेकंड में 100 मीटर की दूरी हुई आसान

सुविधाओं अभाव होते हुए भी देश के युवा किसी से कम नहीं

संवाददाता सुल्तानपुर
हेमंत शाक्या
मो.6263301848

भारत म प्रातभाआ का कमा नहा ह अपन रायसन जिले के ग्रामीण अंचलों में भी ऐसे ही हमारे बीच प्रतिभावान युवक राहुल साहू पुत्र तीरथ सिंह साहू ग्राम डंडेरा के निवासी है। इन्होंने 4 वर्ष की अथक प्रयासों से 100 मीटर की दौड़ 10 सेकंड में तय करना इनका लक्ष्य था 100 मीटर की दूरी 10.25 में राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज है राहुल साहू यह दूरी 10 सेकंड में तय कर रहे हैं ग्रामीण क्षेत्र सुविधाओं अभाव होते हुए भी हमारे देश के युवा किसी से कम नहीं है। पिछले 4 वर्षों से भारतीय सेना में भर्ती के लिए मेहनत कर रहे हैं। कोशिशें के बीच दिन एक दिन पता चला कि नेशनल रिकॉर्ड 100 मीटर 10 सेकंड 25 पॉइंट का है तब इन्होंने घड़ी सामने रखकर दूरी इन्होंने 10 सेकंड में पूरी की के अंदर देश के लिए कुछ कर गुजरने की मन में ठानी सेवा में भर्ती होना इनका सपना है सपने को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहते हैं यदि शासन मदद मिली तो यह अपने देश के लिए कुछ भी कर गुजरेंगे प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से आशा करते हैं कि हमें एक अवसर प्रदान करें वर्तमान समय में एकीकृत माध्यमिक शाला डंडेरा में अतिथि शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं ।

किसके सर पर सजेगा ताज कौन करेगा भोजपुर विधानसभा पर राज

भोजपुर विधानसभा में कांग्रेस से राजकुमार पटेल भाजपा से सुरेंद्र पटवा को मिला टिकट दोनों में होगी कांटे की टक्कर

संवाददाता सुल्तानपुर
हेमंत शाक्या
मो.6263301848

युवा प्रदेश ❑ भोजपुर

भोजपुर विधानसभा जमें दो मंत्री फिर होंगे आमने-सामने होगें दो दिग्गज नेता भाजपा से सुरेंद्र पटवा और कांग्रेस से राजकुमार पटेल होंगे मैदान में भोजपुर विधानसभा भाजपा का अवैध किला माना जाता था हैट्रिक जमा चुके हैं स्वयं पटवा 29486 वोट से 2018 के चुनाव में की थी जीत दर्ज केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी को दूसरी बार हराकर मनाई गई थी जीत की हैट्रिक अब देखना होगा कि भाजपा के अवैध में अपना परचम लहरा पाएंगे अथवा नहीं। कांग्रेस से राजकुमार पटेल और भाजपा से सुरेंद्र पटवा यही नाम की कुछ इलाकों में लाड़ले नेता के नाम से मशहूर है ।2003 में राजेश पटेल ने ही विधायक सुरेंद्र पटवा को हराया था ।इसके बाद 2008,2013 फिर 2018 में बंपर जीत दर्ज करते आ रहे हैं विधायक पटवा ।वही इस बार कांग्रेस ने भोजपुर की सीट को जीतने और भाजपा के अवैध किले को भेदने के लिए राजकुमार पटेल को चुना है वहीं भाजपा और कांग्रेस में जीत के बड़े बड़े दावे दोनों दल के नेता करते दिखाई नजर आते हैं जिसमें इस बार भाजपा ने अपना लक्ष्य 50000 पर रखा है पर पहले की बात और कैंडिडेट में अंतर दिखाई नजर आ रहा है राजकुमार पटेल भी प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा नाम है जिस पर कांग्रेस पार्टी ने भरोसा जताया है ।

भोजपुर विधानसभा की सीट में राजकुमार पटेल ही सें जोरों शोरों की तैयारियों में जुटे हुए हैं ।इस बार के चुनाव में एक दिन पहले ही कांग्रेस ने बाकी बचें प्रत्याशी की लिस्ट जारी की और उसके पश्चात् भाजपा ने भी सभी प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी इससे यह माना जा रहा है कि भाजपा यह इंतजार कर रही थी कि कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी की लिस्ट जारी करें फिर उनके प्रत्याशी के हिसाब से अपने प्रत्याशी मैदान में उतरे ।भाजपा किसी भी प्रकार का रिस्क लेना नहीं चाहती है जिससे उसे चुनाव में 2018 जैसे परिणाम देखने को मिले वह हर बार कदम संभाल कर रख रही है। अब देखना होगा कि भोजपुर विधानसभा में स्वयं पटवा एक बार फिर रिकॉर्ड बना पायेंगे या नहीं।कांग्रेस के राजकुमार पटेल भोजपुर विधानसभा में जीत का परचम लहराने में कायम होते हैं या नहीं ।यह तो आने वाला वक्त ही बताया 2023 का विधानसभा चुनाव तो बताएगा कि किसके सर पर सजेगा ताज और किसके हाथ होगी एक बार फिर भोजपुर विधानसभा की कमान जनता जनार्दन किसे अपने अग्रिम विधायक (नेता)के रूप में चुनेगी ।अपना नेता यह देखना दिलचस्प होगा अब तो दिग्गज नेता होंगे आमने-सामने, जी हां किसकी होगी जीत और किसकी होगी हर यह जनता का हैं स्वाभिमानित चुनाव।

राजकुमार पटेल ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भरा नामांकन हजारों की संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

संवाददाता सुल्तानपुर
हेमंत शाक्या
मो.6263301848

युवा प्रदेश ❑ भोजपुर

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भोजपुर विधानसभा 141 से राजकुमार पटेल ने अपना नामांकन गोहरगंज अनुविभागी अधिकारी के समक्ष जमा किया राजकुमार पटेल ने नामांकन के समय भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे ।नामांकन भरने के बाद मीडिया से चर्चा में कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने कहा कि पूरे मध्य प्रदेश में बदलाव की लहर है भाजपा के 20 साल के शासनकाल में जनता त्रस्त है महंगाई बेरोजगारी महिला उत्पीड़न और भ्रष्टाचार में प्रदेश सब में अव्वल आ रहा है ।इस भ्रष्टाचारी से सरकार अब जनता निजात चाहती है । वही भोजपुर में भी 15 सालों से भाजपा के विधायक है, लेकिन धरातल पर आज भी काम नहीं हुए हैं ।ग्रामीण सड़कों के लिए परेशान, पेयजल के लिए परेशान ,रोजगार के लिए परेशान और शिक्षा की उचित व्यवस्था का न होना भोजपुर में बदलाव की लहर है और यहां की जनता प्रचंड बहुमत से बदलाव करेगी ।यह यकीन नहीं अपितु मेरा पूरा विश्वास है यहां की जनता जनार्दन है। इस भ्रष्टाचारी और तानाशाही सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने को तैयार है ।भोजपुर अब विकास की राह देखगा भाईचारे की राह निहार रही हैं जनता। सोशल मीडिया नेटवर्किंग वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा सवाल के दौरान प्रत्याशी पूछा गया कि आप अधिकतम कार्यकर्ताओं के साथ आए हैं ?इस पर राजकुमार पटेल ने कहा कि यह सभी कार्यकर्ताओं का प्रेम है,मेरे द्वारा नामांकन में आने के लिए किसी भी को व्यक्तिगत रूप से नहीं कहा गया सभी स्वयं की इच्छा से आए हैं ।कार्यकर्ताओं का यहां आना हमें बताता है कि भोजपुर में कांग्रेस प्रचंड बहुमतों से जीतेगी और प्रदेश में पूर्ण बहुमत सरकार बनाई की।

भोजपुर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने जमा किया नामांकन का कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

सुल्तानपुर। भोजपुर विधानसभा क्रमांक 141 में कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने अपना नामांकन जमा किया। यह नामांकन उन्होंने गौहरगंज तहसील के एसडीएम कार्यालय में जमा किया ।आपको बता दे कि कांग्रेस प्रत्याशी ने सुबह सुबह अपने माता-पिता का आशीर्वाद लेने के बाद वह अपने कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन स्थल पहुंचे ।वहीं तहसील कार्यालय पर उनके नामांकन के समय बड़ी संख्या में कांग्रेसी उपस्थित रहे ।जहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और वहीं उन्होंने भोजपुर विधानसभा में भाजपा के कार्य की आलोचना की और प्रदेश सरकार पर भी हमला बोला ।वही नामांकन के समय में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग पहुंचे और सभी में काफी ज्यादा उत्साह देखने को मिला ।इस दौरान क्षेत्र के सभी ब्लॉक मंडल सेक्टर के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है इजराइल

गाजा में जमीनी आक्रमण जल्द : नेतन्याहू

तैयारी

- **युद्ध के दो मुख्य लक्ष्य "हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट कर उसका खात्मा करना और हमारे बंधकों को घर वापस लाने के लिए हरसंभव कदम उठाना**

यरुशलम, एजेंसी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है और गाजा में जमीनी आक्रमण करने की तैयारियां की जा रही हैं और "हमास के सभी सदस्यों की

मौत करीब है।" उन्होंने बुधवार शाम को राष्ट्र को दिए संबोधन में कहा कि युद्ध के दो मुख्य लक्ष्य "हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट कर उसका खात्मा करना और हमारे बंधकों को घर वापस लाने के लिए हरसंभव कदम उठाना है।"

राष्ट्रीय एकता का आह्वान करते हुए नेतन्याहू ने कहा, "इजराइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। जमीन के ऊपर और नीचे, गाजा के अंदर और बाहर – हमास के सभी सदस्यों की मौत करीब है।" उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री याओव गैलेंट, मंत्री बेनी गैंट्ज, सुरक्षा मंत्रिमंडल, चीफ ऑफ स्टाफ तथा सुरक्षा संगठनों के प्रमुखों के साथ "हम जीत मिलने तक युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और राजनीतिक नफा-नुकसान के बारे में सोचे बगैर काम कर रहे हैं।"

इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा कि लक्ष्य "देश को बचाना, जीत हासिल करना है।" उन्होंने कहा, "हम हमास पर कहर बरपा रहे हैं और हम हजारों आतंकवादियों का खात्मा कर चुके हैं तथा यह तो बस शुरुआत है।" गाजा में निकट भविष्य में जमीनी आक्रमण की अटकलों के बारे में नेतन्याहू ने कहा कि यह जल्द होगा लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कब और कैसे होगा। उन्होंने कहा, "हम जमीनी आक्रमण की तैयारी कर रहे हैं। मैं यह नहीं बताऊंगा कि कब, कैसे, कितने। यह इसलिए ताकि हम अपने सैनिकों की जिंदगी बचा सकें।"

इजराइल ने सात अक्टूबर को हमास के बर्बर हमले के बाद से गाजा में जमीनी अभियान के लिए 3,50,000-4,00,000 सैनिकों को तैनात करने की योजना बनायी है। नेतन्याहू ने हमास की तुलना इस्लामिक स्टेट से करते हुए कहा, "जब हम लड़ाई जारी रहने के बीच गाजा में जाएंगे तो हम हत्यारों, अत्याचारों के दोषियों से पूरी कीमत वसूल करेंगे।'

अमेरिका में दो भारतीय नागरिकों पर फेंटानिल वितरित करने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी।

संघीय अभियोजकों ने कहा है कि दो भारतीय नागरिकों पर फेंटानिल वितरित करने और मादक पदार्थों की तस्करी की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में न्यू जर्सी के एक व्यक्ति ने दक्षिणी इलिनोइस में अमेरिकी जिला अदालत के समक्ष अपना दोष स्वीकार कर लिया है।

भारतीय नागरिकों की पहचान आशीष के. जैन (37) और एम. ईश्वर राव के रूप में हुई है। वहीं, मोइसेस ए सनाब्रिया (32) ने भारत की दवा वितरण कंपनी और अमेरिका में ग्राहकों के बीच बिचौलिए के रूप में काम करने का अपराध स्वीकार किया है।

अदालत में जमा दस्तावेजों के अनुसार, सनाब्रिया को भारत के दवा वितरण केंद्र से न्यू जर्सी में फुरानिल फेंटानिल और टेपेंटाडोल युक्त दवाइयां प्राप्त हुई और उसने जनवरी 2018 से मार्च 2021 के बीच इन्हें सीधा अमेरिकी ग्राहकों को भेज दिया।

अभियोजकों ने बताया कि सनाब्रिया ने कई मौकों पर इलिनोइस के दक्षिणी जिले में काम कर रहे ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन के गुप्त एजेंटों को दवाइयां भेजी।

पदार्थों पर नियंत्रण संबंधित कानून कंट्रोल्ड सब्सटेंसेस एक्ट के तहत फुरानिल फेंटानिल शिड्यूल 1 और टेपेंटाडोल शिड्यूल 2 में आता है। फेंटानिल का सीमित इस्तेमाल कर बेहोशी और दर्द निवारक दवा तैयार की जाती है। आमतौर पर अमेरिकी ड्रग गिरोह द्वारा फेंटानिल की तस्करी की जाती है और उसकी गोलियां बनाकर महंगे दामों में अलग-अलग नामों से बेची जाती है।

माइक जॉनसन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नए अध्यक्ष चुने गए

वाशिंगटन, एजेंसी।

लुइसियाना से रिपब्लिकन पार्टी के सांसद माइक जॉनसन को प्रतिनिधि सभा का स्पीकर चुना गया है, जिससे अमेरिकी राजनीति में तीन सप्ताह से चल रही अनिश्चितता का अंत हो गया है। प्रतिनिधि सभा के स्पीकर का पद देश के सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पदों में से एक होता है और अमेरिका के राष्ट्रपति के बाद उत्तराधिकार की पंक्ति में तीसरे स्थान पर माना जाता है।

अमेरिकी इतिहास में पहली बार केविन मैक्कार्थी को स्पीकर पद से हटाए जाने के तीन सप्ताह बाद बुधवार को जॉनसन को बेहद कड़े मुकाबले में कांग्रेस में 209 के मुकाबले 220 मतों से चुना गया। 435 सदस्यीय सदन में रिपब्लिकन पार्टी के पास डेमोक्रेटिक पार्टी की 212 सीटों के मुकाबले 221 सीटों के साथ मामूली बहुमत है। प्रतिनिधि सभा के 56वें स्पीकर जॉनसन (51) पेशे से वकील हैं और लुइसियाना के चौथे कांग्रेसनल जिले से चार बार सांसद रहे हैं।

कांग्रेस में अपने पहले संबोधन में जॉनसन ने कहा कि उनका पहला विधायी एजेंडा इजराइल के समर्थन में एक प्रस्ताव लाना होगा, एक ऐसा देश जिसने इस महीने की शुरुआत में हमास के आतंकवादी हमले का सामना किया। उन्होंने कहा, "हम न केवल इजराइल बल्कि पूरी दुनिया को दिखाने जा रहे हैं कि हमास की बर्बरता जिसे हमने अपने टेलीविजन स्क्रीन पर देखा है, वह अत्यंत दुखद और गलत है।"

चीन ने शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित किया

सफलता

- **तीन अंतरिक्ष यात्रियों को एक अंतरिक्ष स्टेशन मिशन पर लगभग छह महीने तक कक्षा में रहने के लिए भेजा गया**

जिउक्वान, एजेंसी।

चीन ने शेनझोउ-17 मानवयुक्त अंतरिक्ष यान गुरुवार को प्रक्षेपित किया। इसमें सवार तीन अंतरिक्ष यात्रियों को एक अंतरिक्ष स्टेशन मिशन पर लगभग छह महीने तक कक्षा में रहने के लिए भेजा गया।

चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी (सीएमएसए) के अनुसार, लॉन्ग मार्च-2एफ वाहक रॉकेट के ऊपर अंतरिक्ष यान, उत्तर पश्चिम चीन में जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से प्रक्षेपित किया गया।

सीएमएसए के उप निदेशक लिन ज़िकियांग ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यान में तांग होंगबो, तांग शेंगजी और जियांग शिनलिन अंतरिक्ष यात्री हैं। वे विभिन्न कक्षा में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुप्रयोग पेलोड परीक्षण तथा प्रयोग करेंगे।

श्री लिन ने कहा कि तीनों यात्री अतिरिक्त वाहन संबंधी गतिविधियां करेंगे, अतिरिक्त वाहन पेलोड स्थापित करेंगे और अंतरिक्ष स्टेशन के रखरखाव और अन्य कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि शेनझोउ-17 अंतरिक्ष यात्री पहली बार अतिरिक्त वाहन प्रायोगिक रखरखाव करेंगे, जो एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य है। अंतरिक्ष में कचरा बढ़ने के साथ, दीर्घकालिक परिचालन अंतरिक्ष यान पर उनका प्रभाव अपरिहार्य है।

श्री लिन ने कहा, 'प्रारंभिक निरीक्षण के माध्यम से, हमने पाया है कि अंतरिक्ष स्टेशन के सौर पंख कई बार छोटे अंतरिक्ष कणों से टकराए थे, जिससे मामूली क्षति हुई थी।' उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष स्टेशन के कामकाज और प्रदर्शन का आकलन करना भी जारी रखेंगे और अंतरिक्ष स्टेशन के संचालन तथा प्रबंधन कार्यों को करने में जमीनी समर्थन केंद्रों के समन्वय एवं अनुकूलता का परीक्षण करेंगे, ताकि अंतरिक्ष स्टेशन की परिचालन दक्षता और दोष सुधार क्षमता को और बढ़ाया जा सके।

स्वागत | **यह फैसला कई कनाडाई नागरिकों के लिए "चिंताजनक समय" के बाद एक "अच्छा संकेत"**

कनाडा ने कुछ वीजा सेवाएं बहाल करने के भारत के फैसले का स्वागत किया

टोरंटो, एजेंसी।

खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर पैदा हुए राजनयिक विवाद के बीच कनाडा ने बृहस्पतिवार से देश में कुछ वीजा सेवाएं बहाल करने के भारत के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि यह कई कनाडाई नागरिकों के लिए "चिंताजनक समय" के बाद एक "अच्छा संकेत" है।

कनाडा में भारत के उच्चायोग ने बुधवार को कहा था कि वह बृहस्पतिवार से कनाडा और अन्य देशों से आवेदन कर रहे कनाडाई नागरिकों के लिए कुछ श्रेणी की वीजा सेवाएं फिर शुरू करेगा। यह कदम सिख अलगाववादी निज्जर की हत्या को लेकर पैदा हुए राजनयिक विवाद के बीच कनाडाई नागरिकों के

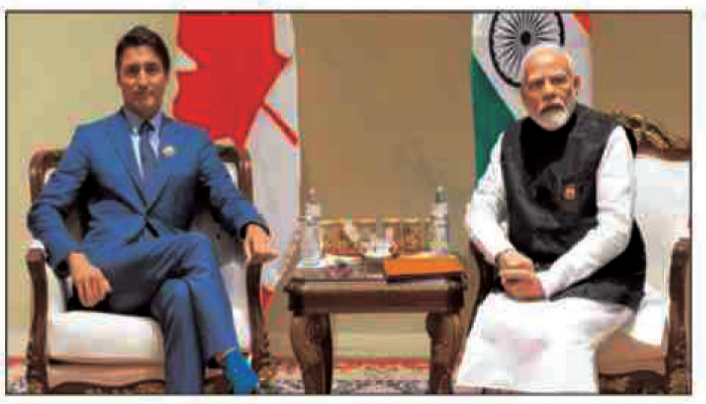

लिए वीजा सेवाएं निलंबित किए जाने के एक महीने से अधिक समय बाद उठाया जा रहा है।

ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "इस संबंध में कनाडा के कुछ हालिया कदमों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया है कि 26 अक्टूबर से प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा, और कॉन्फ्रेंस वीजा श्रेणियों के लिए वीजा सेवाओं को फिर शुरू किया जाएगा।"

ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में 18 जून को निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की "संभावित" संलिप्तता के संबंध में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद पिछले महीने भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके बाद कनाडा और अन्य देशों में कनाडाई नागरिकों के लिए सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं।

भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को "बेतुका" और "निहित स्वार्थों से प्रेरित" बताकर खारिज कर दिया था। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने बुधवार को भारत के कदम को कई कनाडाई नागरिकों के लिए "चिंताजनक समय" के बाद "एक अच्छा संकेत" बताया।

'सीटीवी न्यूज' ने मिलर के हवाले से कहा, "हमें लगता है कि सेवाओं को निलंबित किया ही नहीं जाना चाहिए था।" उन्होंने कहा कि "भारत के साथ वास्तव में चिंताजनक राजनयिक स्थिति ने कई समुदायों में काफी भय पैदा कर दिया है।" आपात प्रबंधन मंत्री और सिख नेता हरजीत सज्जन ने कहा कि वीजा प्रक्रिया फिर से शुरू होना अच्छी खबर है, लेकिन वह इस पर अटकलें नहीं लगाएंगे कि नयी दिल्ली क्या संदेश देने की कोशिश कर रही है।

सज्जन ने संवाददाताओं से कहा, "यह जानकर अच्छा लगा कि उन्होंने इसे (सेवाएं) बहाल कर दिया है। यदि उन्होंने यह कदम उठाया ही नहीं होता, तो बेहतर होता।" उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि शादियों और अंत्येष्टि जैसे कार्यक्रमों के लिए भारतीय और कनाडाई आ-जा सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले की जांच कर रही है और ओटावा इस मामले में अब भी भारत की मदद चाहता है।

देश के राजनयिक और वाणिज्यदूतावास संबंधी मामलों का प्रबंधन करने वाले 'ग्लोबल अफेयर्स कनाडा' (जीएसी) की प्रवक्ता मैरीलिन ग्वेरेमोंट ने 'सीबीसी न्यूज' से कहा कि जीएसी कनाडाई लोगों के लिए कुछ वीजा सेवाएं फिर शुरू करने के भारत के फैसले से अवगत है। उन्होंने कहा, "कनाडा और भारत के लोगों के बीच महत्वपूर्ण आपसी संबंध हैं और भारत द्वारा वीजा सेवाएं बहाल करने से परिवारों एवं कारोबारों के लिए दोनों देशों की यात्रा करना आसान हो जाएगा।"

श्रीलंका में दो दिन रिसर्च करेगा चीन का जासूसी जहाज

श्रीलंकाई नौसेना ने मंजूरी दी, भारत को आपत्ति; शिप को चीनी सेना ऑपरेट करती है

हिंद महासागर में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है। इससे भारत की चिंता बढ़ रही है। दरअसल, चीन का शी यान-6 श्रीलंका में 25 अक्टूबर से डेरा डाले हुए है। श्रीलंकाई नौसेना ने इसे मरीन रिसर्च करने की परमिशन दी है। चीन का ये जहाज कल से यानी 30 अक्टूबर से रिसर्च शुरू करेगा। उसकी मरीन रिसर्च दो दिन चलेगी। कोलंबो पोर्ट पर लंगर डाले इस चीनी जहाज से भारत को जासूसी का खतरा है। चीन ने नई दिल्ली में सितंबर में हुई ज20 बैठक के बाद अपने सर्वे शिप के लिए मंजूरी मांगी थी। जिसके बाद श्रीलंका की नौसेना ने रक्षा और विदेश मंत्रालय को सिफारिश भेज दी थी। पिछले साल चीन का युआन वांग-5 रिसर्च के नाम पर श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंचा था। इसका भारत ने विरोध किया था। बावजूद इसके अब एक साल बाद चीन ने रिसर्च के नाम पर अपना एक और एडवांस शिप श्रीलंका भेजा है।

चीन के जहाज में पावरफुल मिलिट्री सर्विलांस सिस्टम

चीन भले ही कहता हो कि इन शिप का इस्तेमाल वो रिसर्च के लिए करता है लेकिन इनमें पावरफुल मिलिट्री सर्विलांस सिस्टम होते हैं। श्रीलंकाई बंदरगाह पर पहुंचने वाले चीनी जहाजों की जद में आंध्रप्रदेश, केरल और तमिलनाडु के कई समुद्री तट आ जाते हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि चीन ने भारत के मुख्य नौसैना बेस और परमाणु संयंत्रों की जासूसी के लिए इस जहाज को श्रीलंका भेजा है। चीन के जासूसी जहाजों में हाई-टेक ईव्सड्रॉपिंग इक्विपमेंट (छिपकर सुनने वाले उपकरण) लगे हैं। यानी श्रीलंका के पोर्ट पर खड़े होकर यह भारत के अंदरूनी हिस्सों तक की जानकारी जुटा सकता है। साथ ही पूर्वी तट पर स्थित भारतीय नौसैनिक अड्डे इस शिप की जासूसी के रेंज में होंगे। चांदीपुर में इसरो के लॉन्चिंग केंद्र की भी इससे जासूसी हो सकती है। इतना ही नहीं देश की अग्नि जैसी मिसाइलों की सारी सूचना जैसे कि परफॉर्मेंस और रेंज के बारे में यह जानकारी चुरा सकता है। एक महीने से ज्यादा समय से भारत इस जासूसी जहाज पर कड़ी नजर रख रहा है। यह 23 सितंबर को मलक्का जलडमरूमध्य से हिंद महासागर में पहुंचा। 10 सितंबर को अपने होमपोर्ट गुआंगजौ से निकलने के बाद इसे 14 सितंबर को सिंगापुर में देखा गया था।

इन जासूसी जहाजों को चीन की सेना ऑपरेट करती है

चीन के पास कई जासूसी जहाज हैं। ये पूरे प्रशांत, अटलांटिक और हिंद महासागर में काम करने में सक्षम हैं। ये शिप जासूसी कर बीजिंग के लैंड बेस्ड ट्रैकिंग स्टेशनों को पूरी जानकारी भेजते हैं। चीन युआन वांग क्लास शिप के जरिए सैटेलाइट, रॉकेट और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल की लॉन्चिंग को ट्रैक करता है। अमेरिकी रक्षा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस शिप को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी यानी पीएलए की स्ट्रैटेजिक सपोर्ट फोर्स यानी एसएसएफ ऑपरेट करती है। एसएसएफ थिएटर कमांड लेवल का ऑर्गेनाइजेशन है। यह पीएलए को स्पेस, साइबर, इलेक्ट्रॉनिक, इन्फॉर्मेशन, कम्युनिकेशन और साइकोलॉजिकल वारफेयर मिशन में मदद करती है। चीन के जासूसी जहाज पावरफुल ट्रैकिंग शिप हैं। ये शिप अपनी आवाजाही तब शुरू करते हैं, जब भारत या कोई अन्य देश मिसाइल टेस्ट कर रहा होता है। शिप में हाईटेक ईव्सड्रॉपिंग इक्विपमेंट (छिपकर सुनने वाले उपकरण) लगे हैं। इससे यह 1,000 किमी दूर हो रही बातचीत को सुन सकता है। मिसाइल ट्रैकिंग शिप में रडार और एंटीना से बना इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम लगा होता है। ये सिस्टम अपनी रेंज में आने वाली मिसाइल को ट्रैक कर लेता है और उसकी जानकारी एयर डिफेंस सिस्टम को भेज देता है। यानी, एयर डिफेंस सिस्टम की रेंज में आने से पहले ही मिसाइल की जानकारी मिल जाती है और हमले को नाकाम किया जा सकता है।

केरल में प्रार्थना सभा में 3 ब्लास्ट एक मौत: 52 घायल; त्रिशूर में एक शख्स ने सरेंडर किया

एर्नाकुलम के कन्वेंशन सेंटर में रविवार सुबह हुए धमाकों के तुरंत बाद की तस्वीर। इसमें धमाकों के बाद आग और बदहवास लोग दिखाई दे रहे हैं। केरल के एर्नाकुलम में रविवार को एक कन्वेंशन सेंटर में तीन धमाके हुए। इसमें एक की मौत और 52 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कलामासेरी में स्थित इस कन्वेंशन सेंटर में सुबह साढ़े 9 बजे के करीब 2 हजार लोग प्रार्थना कर रहे थे, उसी दौरान 5 मिनट के अंदर लगातार तीन धमाके हुए। राज्य के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) अजित कुमार ने बताया कि एक शख्स ने कोडकारा पुलिस स्टेशन में सरेंडर किया है। उसका दावा है कि उसने ही कन्वेंशन सेंटर में बम रखा था। आरोपी का नाम डोमिनिक मार्टिन है। हालांकि मार्टिन ने अभी तक यह नहीं बताया कि किस वजह से उसने ये धमाके किए। इस पूरे मामले में पुलिस की जांच जारी है। इससे पहले कन्नूर पुलिस ने भी एक व्यक्ति को उसके बैग में संदिग्ध सामान मिलने के बाद हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि वह झारखंड का रहने वाला है। वह मंगलुरु से एरिकोड जा रहा था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि 52 लोगों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें 18 लोग आईसीयू में भर्ती हैं। एक 6 साल के बच्चे समेत 6 लोगों की हालत गंभीर है। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। यहोवा विटनेसेस संस्थान के स्थानीय प्रवक्ता टीए श्रीकुमार ने कहा कि कन्वेंशन हॉल में 9:45 बजे प्रेयर खत्म होने के बाद पहला धमाका हॉल के बीचों-बीच हुआ। कुछ सेकेंड बाद हॉल के दोनों तरफ दो और धमाके हुए। एर्नाकुलम में जहां ब्लास्ट हुआ, उसके आसपास बड़ी संख्या में यहूदी समुदाय के लोग रहते हैं। केरल के ष्ठलक्कशेक दरवेश साहेब ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक, IED टिफिन बॉक्स में प्लांट कर कन्वेंशन सेंटर के अंदर रखा गया था। जांच के लिए 8 स्पेशल टीम बनाई गई है। पूरी जांच के बाद और जानकारी सामने आएगी।

तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं का खड़गे को लेटर

तेलंगाना। मध्यप्रदेश के बाद अब तेलंगाना में चुनाव टिकट न मिलने पर कांग्रेस नेताओं में असंतोष की खबरें आ रही हैं। दरअसल, तेलंगाना के दो सीनियर कांग्रेस नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने खड़गे से अपील की है कि विधानसभा चुनाव के लिए जारी उम्मीदवारों की दो लिस्टों पर विचार और संशोधन किया जाए। खड़गे को यह लेटर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जी निरंजन और AICC किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष एम कोदंडा रेड्डी ने लिखा। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों की सूची को लेकर सीनियर नेताओं में असंतोष है। इनमें वो नेता भी शामिल हैं, जो दशकों से पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। तेलंगाना में कांग्रेस उम्मीदवारों की लिस्टों से नेताओं में ऐसी राय बनी है कि पार्टी में वफादार नेताओं के बजाय पैराशूट उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि वे भी चुनाव लड़ने में सक्षम हैं। टिकट न मिलने से नाराज कुछ नेताओं ने पार्टी से इस्तीफा भी दे दिया है। कैडर की भावनाओं और असंतोष को देखते हुए आपसे अनुरोध है कि नेताओं में विश्वास बनाने के लिए उम्मीदवारों की लिस्टों पर विचार करें। कांग्रेस ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए अब तक दो लिस्टों में 100 उम्मीदवारों का ऐलान किया है। पार्टी ने पहली लिस्ट 15 अक्टूबर को जारी की थी, जिसमें 55 नाम थे। वहीं, 45 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट 27 अक्टूबर को जारी की थी। इस तरह से कांग्रेस अब तक 119 विधानसभा सीटों में से 100 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। राज्य में 30 नवंबर को वोटिंग होगी और नतीजे 5 दिसबंर को आएंगे। अगर तेलंगाना के 2018 के विधानसभा चुवान के आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत राष्ट्र समिति ने 119 में से 88 सीटें जीती थीं।

शेख हसीना के खिलाफ सड़कों पर 1 लाख लोग

बांग्लादेश में 13 गाड़ियां, 1 पुलिस पोस्ट फूंका; चीफ जस्टिस के घर पर भी हमला

बांग्लादेश में शनिवार को विपक्ष की रैली के बीच हिंसा फैल गई। इसके बाद विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनल पार्टी के कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प हुई, जिसमें 1 पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। इस हिंसा में करीब 100 लोग घायल हुए हैं। दरअसल, बांग्लादेश में अगले साल जनवरी में चुनाव होने हैं। ऐसे में BNP मांग कर रही है कि निष्पक्ष चुनाव के लिए PM शेख हसीना इस्तीफा दें और एक केयरटेकर सरकार का गठन हो। बांग्लादेश मीडिया द डेली स्टार के मुताबिक, ये पिछले 45 महीनों का सबसे बड़ा प्रदर्शन रहा। शनिवार को विपक्षी दलों के प्रदर्शन के दौरान जमकर उपद्रव हुआ। इस दौरान देश के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन के घर पर भी हमला हुआ। सुरक्षाबलों की उपद्रवियों को काबू करने की कोशिश के दौरान ककरैल चौराहे, सुप्रीम कोर्ट क्षेत्र और मुख्य न्यायाधीश के आवास के सामने झड़पें हुईं। हिंसा की शुरुआत तब हुई जब आवामी लीग ने कुछ कार्यकर्ता 2 पिकअप वैन में बैठकर अपनी रैली के लिए जा रहे थे। इन्हें BNP कार्यकर्ताओं ने रोक लिया और पिकअप वैन्स में तोड़फोड़ की। इसके बाद पुलिस ने एक BNP वर्कर को गिरफ्तार किया। धीरे-धीरे घटनास्थल पर दूसरे BNP कार्यकर्ता पहुंचे और पुलिस के साथ झड़प हो गई। द डेली स्टार के मुताबिक, ककरैल, नयापलटन, बिजयनगर, मालीबाग, आरामबाग इलाकों और मत्स्य भवन के पास हुई झड़पों के दौरान कम से कम 13 गाड़ियों और एक पुलिस पोस्ट को आग लगा दी गई और एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियों में तोड़फोड़ हुई। AFP के मुताबिक, हिंसा के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस और रबर शॉटगन का भी इस्तेमाल किया।

संपादकीय

सूचना युद्ध

ह किसी भी सशस्त्र संघर्ष की सबसे बड़ी क्षति सत्य की धारणा है। और यह कहावत हाल ही में मध्य पूर्व में हुई अशांति, जिसमें इजराइल और हमास शामिल हैं, की तुलना में कहीं भी अधिक सत्य नहीं लगी है। यह संघर्ष जो अब अपने तीसरे सप्ताह तक फैल गया है, ने सोशल मीडिया को गलत सूचना, दुष्प्रचार और प्रचार के पिघलने वाले बर्तन में बदल दिया है। गाजा पर इजरायली बमबारी का समर्थन करने वाले कई पेजों ने कथित तौर पर हमास के अत्याचारों को दर्शाने वाले ग्राफिक फुटेज प्रसारित किए। आतंकवादियों द्वारा एक गर्भवती महिला पर हमले से संबंधित ऐसा ही एक वीडियो ने नेटिज़न्स को हैरान कर दिया था। तथ्य-जाँच से पुष्टि हुई कि उक्त वीडियो का इज़राइल-हमास गतिरोध से कोई लेना-देना नहीं था और यह मेक्सिको में हमलावरों द्वारा किए गए प्रतिशोध के कार्य से संबंधित था। उपद्रवी उच्च प्रोफ़ाइल हस्तियों, खिलाड़ियों और अभिनेताओं को भी निशाना बना रहे हैं, उनका आरोप है कि उन्होंने फिलिस्तीनी मुद्दे या इजरायली कब्जे का पक्ष लिया है। ऐसे व्यक्तियों के प्रतिनिधियों ने संघर्ष पर अपने रुख का खंडन करने या स्पष्ट करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है, यह देखते हुए कि बिना सोचे-समझे की गई टिप्पणियों से कुछ गंभीर हो सकता है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय चीजों को चुपचाप नहीं ले रहा है। इज़राइल में शैक्षणिक संस्थानों, साथ ही अमेरिका में यहूदी स्कूलों ने माता-पिता से आग्रह किया है कि वे अपने बच्चों के स्मार्टफोन से इंस्टाग्राम, टिकटॉक और एक्स (ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया ऐप हटा दें ताकि उन्हें इज़राइल-हमास संघर्ष से संबंधित हिंसक फुटेज देखने से रोका जा सके। हितधारक चिंतित हैं कि हमास कैसे सोशल मीडिया को हथियार बना सकता है और इजरायली बंधकों के फुटेज के साथ विभिन्न ऐप्स को भर सकता है। हमने देखा है कि कैसे समूह द्वारा अपहरण की गई दो बुजुर्ग इजरायली महिलाओं के वीडियो वायरल हो गए थे, जिसमें संदेशों के साथ यह पुष्ट करने का प्रयास किया गया था कि बंधक बनाने वाले उनके साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार कर रहे थे। इन वीडियो को हालिया संघर्ष के बाद आम फ़िलिस्तीनी नागरिकों के साथ व्यवहार करते हुए इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के 'क्रूर' सदस्यों को दर्शाने वाले फुटेज के साथ जोड़ा गया था।

कनाडा का मसला

कनाडा के भीतर ही बहुत से लोग मानते हैं कि एयर इंडिया जहाज को, जिसमें 368 यात्रियों की जान गई थी, बम से नष्ट करने में जिन लोगों का हाथ था, उनकी जांच में लापरवाही हुई थी। यह लापरवाही दुर्योग था या षड्यन्त्र, इसका खुलासा कनाडा की सरकार अभी तक नहीं कर रही। भारत से गए कुछ गिने चुने लोग भी कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। लेकिन वे अनेक गैंग में बंटे हुए हैं। ये गैंग नशों के व्यापारी भी हैं।

ता पिछले कुछ दशकों से कनाडा दुनिया भर के आतंकवादियों का स्वर्ग बन चुका है। उनमें से कुछ आतंकवादी गिरोह ऐसे हैं जिन्हें कनाडा सरकार मारना चाहती है और कुछ आतंकवादी समूह ऐसे हैं जिन्हें कनाडा की सरकार पालती है। कनाडा के भीतर ही बहुत से लोग मानते हैं कि एयर इंडिया जहाज को, जिसमें 368 यात्रियों की जान गई थी, बम से नष्ट करने में जिन लोगों का हाथ था, उनकी जांच में लापरवाही हुई थी। यह लापरवाही दुर्योग था या षड्यन्त्र, इसका खुलासा कनाडा की सरकार अभी तक नहीं कर रही। भारत से गए कुछ गिने चुने लोग भी कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं। लेकिन वे अनेक गैंग में बंटे हुए हैं। ये गैंग नशों के व्यापारी भी हैं। मानव तस्करी भी इसी में शामिल है। लेकिन अपने असली कामों और चेहरे को छिपाने के लिए ये गैंग भारत विरोध गतिविधियों और भारत को तोड़ने की साजिशों का भी हिस्सा बने रहते हैं। यह इनका दूसरा चेहरा है। सुरक्षा और समर्थन के लिए इनको मजहब का सहारा लेना पड़ता है, ताकि आम लोगों को धोखा दिया जा सके। मध्यकालीन एक संत ने कहा था, 'काले मेंडे कपड़े, काले मेंडे लेख। काले कम्मीं मैं फिरां, लोक कहन दरवेश।' अर्थात मेरे कपड़े भी काले हैं और मेरा नसीब भी काला है। मैं बुरे काम करता हूं, लेकिन मेरी ये हरकतें देख कर भी लोग मुझे दरवेश समझते हैं। लेकिन ऐसा क्यों है? क्योंकि काले

कामों पर मजहब की चादर डाल रखी है। कनाडा में जिन गैंग की चर्चा हो रही है, उनके बारे में यही कहा जा सकता है। ऐसा नहीं कि ये सभी गैंग आपस में घी शक्कर हैं। जहां तक शाब्दिक या क्रियात्मक भारत विरोध का सवाल है, वहां तक तो इन सभी गैंग में मतैक्य है, लेकिन जहां नशों के व्यापार का प्रश्न है वहां तो प्रतिद्वन्द्विता होगी ही। उसी में एक दूसरे गैंग के लोग मारे भी जाते हैं। लेकिन असली सवाल अभी भी अनुत्तरित है। कनाडा ऐसे गैंग की सहायता क्यों करता है? इस प्रकार के भारत विरोधी हिंसक उग्र समूहों को कनाडा प्रश्रय क्यों देता है? यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। इसका उत्तर इतिहास में तलाशना होगा। लेकिन इससे पहले कनाडा का मीडिया इस संबंध में क्या कहता है, उसको समझ लेना भी लाभदायक रहेगा। ओटावा सिटीजन के अनुसार, 'कनाडा आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला अनओफिशियल राज्य बन गया है।' कनाडा के इंटैलीजेंस विभाग के हिस्सा रहे डेविड बी. हेरिस के अनुसार, 'दि पोलिटिकल कनक्लूजन एंड बैटरेयल, दि करप्शन ऑफ इमिग्रेशन एंड एथनोकल्चरल लॉबिंग सिस्टम्स दैट जस्टिफाई फियर्स दैद, दि पीसेबल किंगडम ऑफ कैनेडा, इन ऑन दि वे आउट।' हेरिस के इस विश्लेषण में पोलिटिकल कनक्लूजन यानी राजनीतिक सहभागिता शब्द पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। खासकर भारत विरोधी आतंकवादी गैंग को लेकर कनाडा की वर्तमान नीति के रहस्य इसी में छिपे हुए हैं। कनाडा का सर्वाधिक सम्मानित अखबार 'दि ग्लोब एंड मेल' जो लिखता है, उसमें उसने माना है कि कनाडा आतंकी समूहों को प्रोत्साहन व संरक्षण दे रहा है। इन सभी विश्लेषणों में प्रत्यक्ष या परोक्ष कनाडा सरकार की सहभागिता का जिक्र आता है। जहां तक पंजाब को लेकर कनाडा में सक्रिय आतंकवादी समूहों को प्रश्रय या राजनीतिक सहायता देने का सवाल है, उसके बारे में ज्यादातर यह कह कर छुटकारा पा लिया जाता है कि कनाडा में सरकार चला रही लिबरल पार्टी के पास संसद में अपना स्पष्ट बहुमत नहीं है। यह पार्टी सरकार चलाने के लिए न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थन पर टिकी है और इस एनडीपी के कुछ लोग भारत को तोड़ने की साजिश में लगे हुए हैं। इसलिए वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को मजबूरी में इन भारत विरोधी गैंग का समर्थन करना पड़ता है। लेकिन यह तर्क या विश्लेषण पूरी स्थिति का बहुत ज्यादा सरलीकरण ही कहा जा सकता है। मामला कहीं बहुत गहरा है।

आपका बटुआ- करवा चौथ पर पत्नी को क्या तोहफा देंगे?

बुधवार यानी 1 नवंबर को करवा चौथ है। आपकी पत्नी इस मौके की पूरे उत्साह से तैयारियां कर रही होंगी। आप भी जरूर सोच रहे होंगे कि इस करवा चौथ पत्नी को क्या तोहफा दिया जाए। इंटरनेट पर गिफ्ट आइडियाज सर्च भी कर रहे होंगे। इंटरनेट भी आपको वही सजेस्ट करेगा, जो आमतौर पर शादीशुदा मर्द अपनी पत्नियों को देते हैं। जो इतने सालों से आप भी दे रहे होंगे- साड़ी, हैंडबैग, फ्लावर बुके, चॉकलेट्स, मेकअप किट, ज्वेलरी। घर के साज-सज्जा का कोई सामान, कोई गैजेट्स। बस यहीं पर सारे ऑप्शन खत्म हो जाते हैं। हर साल डिजाइन और पैकेजिंग बदलकर इन्हीं चीजों के बीच एक्सपेरिमेंट होते रहते हैं। लेकिन सवाल ये है कि क्या आप अपनी पत्नी को इस साल कुछ ऐसा तोहफा दे सकते हैं, जो सिर्फ एक दिन के लिए न हो। जो सालों साल उनके काम आए, जो उन्हें फाइनेंशियल सिक्योरिटी और मजबूती दे और सबसे

बढ़कर कि जिसकी उन्हें कतई उम्मीद न हो। साड़ी, सैंडल, पर्स, लिप्सटिक तो चार बार यूज करने के बाद पुरानी हो जाएंगी, लेकिन ये उपहार सदा काम आएंगे। ये उनकी आर्थिक जमीन को मजबूत करेंगे। इस तरह पत्नी की आपके ऊपर आर्थिक निर्भरता भी कम होगा और उनके साथ-साथ आप भी फाइनेंशियली ग्रो करेंगे। तो आइए जानते हैं कि इस साल करवा चौथ पर आप कौन-कौन से फाइनेंशियल गिफ्ट दे सकते हैं। घर पर कभी अगर आर्थिक संकट आ जाए तो ऐसे में घर की महिलाएं ही सबसे पहले मदद के लिए आगे आती हैं। सेविंग के मामले में हमें औरतों का लोहा मानना ही पड़ेगा। याद है नोटबंदी के समय चावल के डिब्बों और तिजोरी के लॉकर से कितने सारे पुराने नोट निकले थे। लेकिन आमतौर पर महिलाएं सिर्फ उन तरीकों से बचत करती हैं, जो उन्हें पता है यानी कैश जमा करके रखना।

PHOTO OF THE DAY

वर्तमान सहायता स्तर टुकड़ों से अधिक कुछ नहीं- संयुक्त राष्ट्र

TECH

एआई यूजर हो जाए अलर्ट, गूगल ने बदले नियम

ए आई का अविष्कार लोंगो के लिए एक चमत्कार बनकर आया है। एआई ने सभी का काम आसान कर दिया है। सभी ङ्घ का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन त्तश्रश्द्दद्यद्ग एआई को लेकर अलर्ट है। त्तश्रश्द्दद्यद्ग ने ,ङ्घ के इस्तेमाल को लेकर नए नियम जारी किए हैं। त्तश्रश्द्दद्यद्ग ने डेवलपर्स से अपने ऐप्स में एक सुविधा प्रदान करने के लिए कहा है ताकि उपयोगकर्ता दुर्भावनापूर्ण ,ङ्घ-जनित सामग्री की रिपोर्ट कर सकें। त्तश्रश्द्दद्यद्ग का कहना है कि नए नियम यह निर्धारित करेंगे कि ,ङ्घ-जनित सामग्री लोगों के लिए अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए सुरक्षित है या नहीं। अगले साल डेवलपर्स के लिए एआई-जनरेटेड कंटेंट के लिए झंडा फहराने का विकल्प प्रदान करना अनिवार्य होगा। इसके लिए ऐप से बाहर निकलने की जरूरत नहीं है. गूगल के नए नियमों के तहत ,ङ्घ का इस्तेमाल कर कंटेंट तैयार

करने वाले ऐप्स को बैन और बंद करने का नियम है। गूगल के नए नियमों के मुताबिक, ऐसे ऐप्स पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए हैं जो बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार का समर्थन करते हैं। साथ ही फर्जी कंटेंट फैलाने वाले ऐप्स पर भी प्रतिबंध लगाने का नियम जारी किया गया है। Google ने उन ऐप्स के लिए नए नियम जारी किए हैं जो बिना अनुमति के फोटो और वीडियो एक्सेस करते हैं। इसके अलावा गूगल ने फुल स्क्रीन इंटेंट नोटिफिकेशन के इस्तेमाल को मजबूत किया है। ऐप को फोन या वीडियो कॉल के दौरान यूजर से इजाजत मांगनी होगी।

लाइफ स्टाइल

'गॉडस्पीड, बॉबी', दुनिया के सबसे उम्रदराज़ कुत्ते की पुर्तगाल में मौत

लि स्बन 7 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने सोमवार को कहा कि दुनिया के सबसे उम्रदराज़ कुत्ते बॉबी की पुर्तगाल में 31 साल की उम्र में मौत हो गई है। एक शुद्ध नस्ल के राफ़ेइरो अलेंटेजानो, जिन्होंने अपना पूरा जीवन मध्य पुर्तगाल के एक गाँव में बिताया, बॉबी 31 साल और 165 दिनों तक जीवित

रहे, और 1939 से एक ऑस्ट्रेलियाई मवेशी-कुत्ते द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिसकी मृत्यु 29 साल और पाँच महीने में हुई थी। इतिहास में हर कुत्ते से अधिक जीवित रहने के बावजूद, पृथ्वी पर उसके 11,478 दिन उन लोगों के लिए कभी भी पर्याप्त नहीं होंगे जो उससे प्यार करते थे, करेन बेकर, एक पशुचिकित्सक, जो बॉबी से कई बार मिले थे और जो सोशल मीडिया पर उनकी मृत्यु की घोषणा करने वाले पहले व्यक्ति थे, ने कहा। गॉडस्पीड, बॉबी। इस साल फरवरी में उन्हें दुनिया का सबसे उम्रदराज़ कुत्ता घोषित किया गया था। बॉबी की नस्ल, जिसे परंपरागत रूप से भेड़ के कुत्ते के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, की जीवन प्रत्याशा आमतौर पर 12 से 14 वर्ष होती है। उनके मालिक लियोनेल कोस्टा ने उनकी लंबी उम्र के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया, जिनमें ग्रामीण इलाकों में शांति से रहना, कभी भी जंजीर में नहीं बांधना या पट्टे पर नहीं रखा जाना और हमेशा मानव भोजन खाना शामिल है। जिस समय बॉबी का जन्म हुआ, उस समय कोस्टा के परिवार में बहुत सारे जानवर थे और बहुत कम पैसे थे, इसलिए उनके पिता, एक शिकारी, आमतौर पर नवजात पिल्लों को रखने के बजाय उन्हें दफना देते थे। लेकिन बॉबी जलाऊ लकड़ी के ढेर के बीच छिप गया। कुछ दिनों बाद कोस्टा और उसके भाई-बहनों ने उसे ढूंढ लिया और उसे तब तक गुप्त रखा जब तक कि पिल्ले ने अपनी आँखें नहीं खोल दीं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ नजर आए सलमान खान

रियाद में साथ बैठकर देखा बॉक्सिंग मैच, वायरल वीडियो देखकर एक्साइटेड हुए फैंस

सलमान खान का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें एक्टर मशहूर फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनकी पार्टनर जॉर्जिना रोड्रिगेज के साथ बैठकर बॉक्सिंग मैच एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। दरअसल सलमान हाल ही में साउदी अरब की राजधानी रियाद में थे। यहां उन्होंने टायसन फ्यूरी और फ्रांसिस नगनो के बीच बॉक्सिंग मैच अटैंड किया। इसी दौरान का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो में सलमान खान VVIP सीट पर बैठे मैच देखते नजर आ रहे हैं। उनके बगल में जॉर्जिना रोड्रिगेज और फिर क्रिस्टियानो रोनाल्डो बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो के वायरल होने के बाद से ही सलमान के फैंस एक्साइटेड हैं। वो इसे ग्रेटेस्ट क्रॉसओवर ऑफ ऑल टाइम बता रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'जलवा है भाईजान का' तो वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, 'ग्रेटेस्ट फुटबॉलर और ग्रेटेस्ट एक्टर'। सलमान रविवार सुबह ही रियाद से वापस लौटे हैं। उन्हें हाल ही में प्राइवेट एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। एक्टर इन दिनों बिग बॉस 17 की भी होस्टिंग कर रहे हैं। सलमान की फिल्म टाइगर 3, 12 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में उनके अपोजिट कटरीना कैफ नजर आएंगी। इसमें इमरान हाशमी विलेन के रोल में नजर आएंगे।

जेनेलिया के हाथ में पट्टी बांधते दिखे रितेश

इंस्टाग्राम पर शेयर की स्टोरी, दोनों बच्चे भी हुए शामिल

एक्ट्रेस जेनेलिया डिसूजा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। स्टोरी में रितेश उनके हाथ में पट्टी बांधते दिखाई दे रहे हैं। जेनेलिया ने पहली स्टोरी में लिखा है- 'रितेश क्या कर रहे हैं।' वहीं दूसरी स्टोरी में उनके बच्चे भी उन्हें ज्वाइन कर लेते हैं। जेनेलिया ने लिखा 'बाकी दोनों देशमुख ने भी ज्वाइन कर लिया है। शुरुआत में वीडियो देखकर ऐसा लगता है कि जेनेलिया के हाथ में चोट लगी है। कुछ ही देर बाद तीसरी स्टोरी सामने आती है, तो पता चलता उन्होंने हैलोवीन थीम बनाया है। चारों ने खुद को पट्टी से लपेटा हुआ है और फनी फेस बनाकर सेल्फी ली है। जेनेलिया ने आखिरी पोस्ट में लिखा है- 'हैलोवीन टाइम।' कपल इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहते हैं। इस बार उनकी वीडियो में उनके दोनों बच्चे भी शामिल हुए। इनकी जोड़ी को लोग बहुत पसंद करते हैं।

फिल्म थलाइवर 170 का मुंबई शेड्यूल खत्म हुआ

सेट से बिग बी और रजनीकांत की तस्वीर सामने आई, 33 साल बाद दोनों एक साथ दिखेंगे

फिल्म थलाइवर 170 की प्रोडक्शन कंपनी ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। पोस्ट में उन्होंने अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के साथ की एक तस्वीर शेयर की है। पोस्ट के जरिए मेकर्स ने बताया है कि फिल्म थलाइवर 170 की मुंबई में तय शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म का फैंस लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। इंतजार करना लाजिमी भी है क्योंकि इस फिल्म के जरिए 33 साल बाद बिग बी के साथ रजनीकांत स्क्रीन शेयर करेंगे। लाइका प्रोडक्शन्स ने रविवार, 28 अक्टूबर को ट्विटर हैंडल पर बिग बी और रजनीकांत की एक तस्वीर पोस्ट की है। पोस्ट के साथ लिखा है- जब सुपरस्टार और शहंशाह थलाइवर 170 के सेट पर मिले। 33 साल बाद स्क्रीन पर दोनों का पुनर्मिलन। मुंबई शेड्यूल खत्म हुआ। कुछ दिन पहले रजनीकांत ने भी एक पोस्ट शेयर किया था। बिग बी के साथ एक फोटो शेयर कर रजनीकांत ने लिखा था- 33 साल बाद, मैं टीजे ज्ञानवेल के डायरेक्शन की अपकमिंग फिल्म थलाइवर 170 में अपने गुरू, श्री अमिताभ बच्चन के साथ फिर से काम कर रहा हूं। मेरा दिल खुशी से धड़क रहा है।

सोनिया बंसल ने मन्नारा चोपड़ा को फेक बताया

कहा- मैं चीप लड़की नहीं हूं, कड़क होकर काम करना जानती हूं

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 17 की शुरुआत हो चुकी है। इस सीजन में 17 कंटेस्टेंट्स हैं, जिनमें कपल अंकिता लोखंडे-विक्की जैन और ऐश्वर्या शर्मा-नील भट्ट भी शामिल हैं। सीजन का पहला इविक्शन एक्ट्रेस सोनिया बंसल रहीं। हालांकि सोनिया ने अपनी खूबसूरती और चुलबुले अंदाज से लोगों का दिल जरूर जीता, लेकिन वे शो से बाहर निकलने वाली पहली कंटेस्टेंट बनीं। खास बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वे झुककर नहीं बल्कि कड़क होकर काम करती हैं। सोनिया ने मन्नारा चोपड़ा को फेक कहा और ये भी बताया कि विक्की ज्यादातर समय अंकिता के साथ नहीं बल्कि लोगों के साथ बिताते हैं। बिग बॉस का सफर इतनी जल्दी खत्म क्यों हुआ ? इस पर सोनिया बंसल ने कहा, मुझे बहुत कुछ करना था, लेकिन सफर जल्दी खत्म हो गया। मैं अच्छा कर सकती थी और मुझे ये भी कहा गया कि ना दिखने की वजह से मुझे एलिमिनेट कर दिया गया। सच कहूं, मेरे से ज्यादा कोई उतना नहीं दिख रहा था, अंकिता जरूर दिख रही है। अगर मैं ग्रुप का हिस्सा बनने जाऊंगी तो वो चीप दिखेगा और मैं चीप लड़की नहीं हूं। मुझे बाहर के लोगों ने या बिग बॉस ने नॉमिनेट नहीं किया था, बल्कि घर के लोगों ने ही नॉमिनेट किया था, इसलिए मुझे गिल्ट नहीं है। शो से नॉमिनेट होने की क्या वजह थी? सोनिया ने कहा, मुझे नहीं पता इस डिसीजन में मेकर्स हैं या नहीं, लेकिन जब घरवालों का डिसीजन आया तो मैं समझ गई थी कि घरवाले मुझे सपोर्ट नहीं करेंगे क्योंकि मैं झुककर नहीं बल्कि कड़क होकर काम कर रही थी। हर चीज में मैं स्टैंड ले रही थी । मैं सना और मन्नारा जैसी लड़की नहीं हूं। मैं हर इंसान को जवाब दे सकती हूं, मुझे किसी की जरूरत नहीं है। कंफ्यूजन बस इतना हुआ कि मेरे ही घरवाले थे, जिनको पता चला कि मैं स्ट्रॉग हूं और इसलिए मुझे निकाल दिया। घर के अंदर सबसे बड़ा ड्रामेबाज और सबसे सेफ कौन लगता है? सोनिया ने बताया कि मन्नारा सबसे फेक है, ड्रामेबाज है। ऑडियंस उन लोगों को देखती है जो रो रही होती है, उन्हें ये नहीं दिखाई देता कि रोने के पीछे क्या छुपा है। मुझे जब किसी चीज से हर्ट होता है तो मैं वो चीज ठीक करने में विश्वास रखती हूं। मैं पब्लिक को ये नहीं दिखाऊंगी कि मेरे पास दिमाग कम है और इसलिए मैं पब्लिक के सामने रो रही हूं। क्या सलमान खान बायस्ड हैं? इस पर सोनिया ने कहा, बिल्कुल नहीं। मुझे सलमान काफी चिल लगे। मैंने फर्स्ट टाइम सलमान खान के साथ इंटरेक्ट किया और मुझे बहुत अच्छा लगा।

गाजा में स्टारलिंक इंटरनेट देंगे मस्क

इजराइल बोला- ऐसा नहीं होने देंगे, हमास आतंकवादी इसका इस्तेमाल करेंगे

वाशिंगटन। इजराइल के कम्युनिकेशन मिनिस्टर श्लोमो करही ने एलन मस्क के गाजा में अंतरराष्ट्रीय सहायता संगठनों को स्टारलिंक इंटरनेट कनेक्टिविटी देने की घोषणा का विरोध किया है। श्लोमो करही ने कहा- इसे रोकने के लिए इजराइल अपने सभी साधनों का उपयोग करेगा। हमास इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए करेगा। एलन मस्क ने अमेरिका की रिप्रेजेंटेटिव अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज के उस पोस्ट में रिप्लाई करते हुए गाजा को इंटरनेट देने की घोषणा की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था,2.2 मिलियन की आबादी के लिए कम्युनिकेशन बंद करना अनएक्सपेक्टेड है। जर्नलिस्ट, मेडिकल प्रोफेशनल, ह्यूमन एफर्ट्स और निर्दोष खतरे में हैं।

इजराइल के हमले से गाजा में इंटरनेट ठप

इजरायल और हमास के बीच 7 अक्टूबर से जंग जारी है। ऐसे में शुक्रवार रात को इजराइल ने हमास के 150 ठिकानों पर हमले किए थे। इसकी वजह से गाजा के इलाके में कम्यूनिकेशन टूट गया था और इंटरनेट बंद हो गया था। करीब 23 लाख लोग दुनिया से कट चुके हैं। हालांकि रविवार को फिलिस्तीन टेलीकम्युनिकेशन कंपनी ने दावा किया गाजा में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं अब धीरे-धीरे बहाल की जा रही हैं। कंपनी ने कहा कि उसकी तकनीकी टीमें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में क्षतिग्रस्त आंतरिक नेटवर्क को बहाल करने में जुटी है।

किआ कार्निवल फेसलिफ्ट का फर्स्ट लुक जारी

थर्ड जनरेशन MPV में ADAS जैसे सेफ्टी फीचर्स, टोयोटा इनोवा क्रिस्टा से मुकाबला

नई दिल्ली। किआ इंडिया ने आज अपनी पॉपुलर MPV कार्निवाल फेसलिफ्ट का फर्स्ट लुक जारी किया है। इसमें कार के अपडेटेड एक्सटीरियर डिजाइन को शोकेज किया गया है। नई कार्निवाल किआ च्न4 पर बेस्ड है, जिसे इस साल की शुरुआत में भारत ऑटो एक्सपो में दिखाया गया था। कंपनी ने कार के इंटीरियर के बारे में फिलहाल कोई जानकारी शेयर नहीं की है। थर्ड जनरेशन MPV कार ADAS जैसे सेफ्टी फीचर से लैस होगी। अपडेटेड 2024 किआ कार्निवाल की कीमत मौजूदा मॉडल से ज्यादा होने की उम्मीद है। भारत में इसका मुकाबला टोयोटा इनोवा क्रिस्टा और इनोवा हाइक्रॉस से होगा। नई कार्निवाल का डिजाइन KAy से बिल्कुल अलग है। इसके फ्रंट में एल-शेप के LED DRL मिलते हैं, जो नई सेल्टोस फेसलिफ्ट में देखने को मिलते हैं। ग्रिल में क्रोम बिट्स दिए गए हैं, बम्पर के नीचे एक छोटा सा एयर इनटेक है जो फॉक्स ब्रश एल्यूमीनियम स्किड प्लेट से घिरा हुआ है। कार के साइड में जाएं तो कार्निवाल फेसलिफ्ट एक फंकी डिजाइन के साथ बिल्कुल नए डुअल-टोन अलॉय व्हील्स पर बेस्ड है। अन्य वैरिएंट में ब्लैक-आउट अलॉय भी मिलते हैं। पीछे की तरफ टेल लाइट्स को LED लाइटिंग एलिमेंट्स के साथ एक रु-शेप डिजाइन मिलता है, जो एक लाल पट्टी के साथ जुड़ा हुआ है। अपडेटेड कार्निवल के इंटीरियर में डैशबोर्ड और तकनीक को बेहतर बनाया जाएगा और इसमें 6 और 7 सीटों का ऑप्शन दिया जाएगा। ऊंचे वैरिएंट में मल्टीपल सनरूफ भी मिलेंगे। कार्निवल में EV9 से नए लुक वाली सीटें मिलेंगी और ज्यादा फीचर्स भी मिलेंगे। इसमें इंस्ट्रूमेंटेशन और इंफोटेनमेंट के लिए ट्विन कर्व्ड डिस्प्ले और ADAS जैसी सुरक्षा तकनीक शामिल हैं। नई किआ कार्निवाल को पहले की तरह 2.2-लीटर डीजल इंजन के साथ पेश किया जाएगा, जो 199 hp की पावर और 440 nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन को 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है। इसके अलावा दो पेट्रोल इंजन का ऑप्शन भी दिया जा सकता है। इसमें 1.6-लीटर का टर्बो-पेट्रोल हाइब्रिड इंजन और 3.5-लीटर का नेचुरली एस्पिरेटेड वी6 पेट्रोल इंजन शामिल हो सकता है।

एसबीआई के ब्रांड एंबेसडर बने महेंद्र सिंह धोनी

■ बैंक के मार्केटिंग और प्रमोशनल कैंपेन में अहम भूमिका निभाएंगे

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अपना ऑफिशियल ब्रांड एंबेसडर बनाया है। बैंक ने बताया कि एसबीआई के ब्रांड एंबेसडर के रूप में धोनी कई मार्केटिंग और प्रमोशनल कैंपेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि स्ट्रेसफुल सिचुएशंस में संयम बनाए रखने की धोनी की कैपेसिटी, दबाव में स्पष्ट सोच और तेजी से फैसले लेने की उनकी प्रसिद्ध क्षमता, उन्हें एसबीआई का ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए आइडियल चॉइस बनाता है। बैंक ने कहा कि धोनी के साथ यह एसोसिएशन रिलायबिलिटी और लीडरशिप की वैल्यू को दर्शाता है और अपने कस्टमर्स के साथ गहरे संबंध बनाने के बैंक के कमिटमेंट का प्रतीक है।

हमारे ब्रांड के लिए परफेक्ट चॉइस हैं धोनी

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा, धोनी हमारे ब्रांड के लिए परफेक्ट चॉइस हैं। धोनी के साथ पार्टनरशिप से हमारा लक्ष्य ट्रस्ट, इंटीग्रिटी और अटूट समर्पण के साथ देश और कस्टमर्स की सेवा करने के हमारे कमिटमेंट को मजबूत करना है।

जियोमार्ट के भी ब्रांड एंबेसडर बने थे महेंद्र सिंह धोनी

कुछ दिनों पहले रिलायंस रिटेल लिमिटेड के फ्लैगशिप ई-कॉमर्स वेंचर जियोमार्ट ने फेस्टिव सीजन से पहले क्रिकेटर और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया था। जियोमार्ट ने धोनी के साथ एक नया ऐड कैंपेन शुरू किया था, जो 8 अक्टूबर से लाइव किया गया था।

भारत के EV मार्केट में एंट्री लेगी विनफास्ट

तमिलनाडु में जमीन खरीद रही कंपनी, 2026 तक वाहनों की असेंबलिंग शुरू करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। वियतनाम की इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी विनफास्ट भारत के ईबी मार्केट में एंट्री लेने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी तमिलनाडु में दो स्थानों की समीक्षा कर चुकी है, जहां वह मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करने के लिए जमीन खरीदना चाहती है। इकोनॉमिक्स टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। विनफास्ट तमिलनाडु के साथ ही गुजरात में भी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करने लिए उत्सुक है। गुजरात में कंपनी को एक बंदरगाह की आवश्यकता है।

करीब 1668 करोड़ इन्वेस्ट करेगी कंपनी

रिपोर्ट के अनुसार, विनफास्ट ने 2026 तक भारत में वाहनों की असेंबलिंग शुरू करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए कंपनी 200 मिलियन डॉलर (करीब1668 करोड़) इन्वेस्ट करेगी।

भारत और इंडोनेशिया में ev की मांग पूरी करेगी कंपनी

विनफास्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर और ग्लोबल CEO ले थी थू थ्वे ने 5 अक्टूबर को कहा था,हमें उम्मीद है कि हम इंडोनेशिया और भारत में ईबी की मांग में आई बढ़ोत्तरी में शामिल होंगे, जहां अभी भी इलेक्ट्रिक व्हीकल की पहुंच बहुत कम है।

डीलरशिप नेटवर्क डेवलप करने की योजना बना रही कंपनी

2017 में स्थापित हुई विनफास्ट ने हाल ही में कहा कि 2024 से शुरू होने वाले डेवलपमेंट के अगले फेज में हम डीलरशिप नेटवर्क डेवलप करने की योजना बना रहा है, जिसमें भारत सहित अन्य देश शामिल हैं।

अगस्त में दुनिया की तीसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी थी विनफास्ट

अगस्त में नैस्डैक पर लिस्ट होने के बाद विनफास्ट अस्थायी रूप से दुनिया की तीसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, विनफास्ट एलन मस्क की ईबी कंपनी टेस्ला को टक्कर देना चाहती है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)